वर्षः- 06
अंकः- 121
मुरादाबाद
(Saturday)
22 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

CM योगी के साथ सेल्फी के लिए क्रेजी हुए जापानी बच्चे, भारतीय दर्शन से परिचित कराकर दिया संदेश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर जापानी छात्रों से मुलाकात की और उन्हें भारतीय दर्शन से परिचित कराया। इस मौके पर जापानी छात्र सीएम योगी के साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए काफी उत्साहित नजर आए। मुख्यमंत्री आवास पर शुक्रवार को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसमें कूटनीति की औपचारिकता की जगह बच्चों की मुस्कान थी, भाषाओं की दूरी की जगह संवाद था और दो देशों की संस्कृति के बीच दोस्ती का एक सहज सेतु बनता दिखाई दे रहा था। उत्तर प्रदेश-जापान निवेश बैठक के क्रम में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'ए डायलॉग विद द फ्यूचर' में जापान के यामानाशी प्रान्त से आए 13 विद्यार्थियों और उनके फैकल्टी सदस्यों ने लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और यामानाशी प्रान्त के गवर्नर कोटारो नागासाकी की मौजूदगी में हुआ यह संवाद आने वाले भारत-जापान संबंधों की उस तस्वीर को सामने ला रहा था, जिसकी नींव आज की युवा पीढ़ी के मन में रखी जा रही है।मुख्यमंत्री ने जापान के यामानाशी से आए विद्यार्थियों और उनके फैकल्टी सदस्यों तथा लखनऊ के युवा साथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए जापानी अभिवादन ओहायो गोजाइमासु% से अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है और 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। यह प्रदेश भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है और इसे 'हार्टलैंड ऑफ इंडिया' के रूप में भी देखा जा सकता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल विद्यार्थियों का मिलन नहीं है। यह दो संस्कृतियों, दो परंपराओं और दो देशों की युवा पीढ़ियों का मिलन है। अगले वर्ष भारत और जापान के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं और ऐसे समय में दोनों देशों के ये विद्यार्थी भविष्य के राजदूत के रूप में इस संबंध को नई ऊंचाई देने की क्षमता रखते हैं।उन्होंने कहा कि एक ओर भारत की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति वाले उत्तर प्रदेश के बच्चे हैं और दूसरी ओर तकनीक, परंपरा और प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाने वाले जापान के बच्चे। एक बच्चा लखनऊ के किसी गांव से आया है और दूसरा जापान के किसी गांव से। एक हिंदी बोलता है, दूसरा जापानी, लेकिन दोनों के बीच सबसे बड़ी समानता यह है कि दोनों अपने भविष्य की कहानी लिख रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान से आए विद्यार्थियों के लिए भारत की विविधता में एकता, वसुधैव कुटुम्बकम्, भारतीय भाषाओं, दर्शन, पर्व और त्योहारों तथा उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझने का यह अवसर है। उन्होंने कहा कि जापान की नई पीढ़ी भारत को केवल एक बाजार के रूप में नहीं, बल्कि एक साझा सभ्यतागत मित्र के रूप में जाने, यह इस संवाद की बड़ी उपलब्धि होगी। वहीं भारतीय विद्यार्थियों के लिए जापान की कार्य संस्कृति, जीवन दर्शन, अनुशासन, 'इकीगाई', टीमवर्क, पारस्परिक सम्मान, स्वच्छता, समयबद्धता, पारंपरिक कलाओं और उत्सवों को समझने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आदान-प्रदान कार्यक्रम की सबसे बड़ी ताकत ही यही है कि दोनों देश एक-दूसरे से सीखें और अपनी श्रेष्ठ बातों को साझा करें।

संक्षिप्त समाचार

होमवर्क नहीं करने पर टीचर ने बच्चे को डांटा, डर से हुआ बेहोश, डॉक्टर ने बताया- हो चुकी है मौत

विशाखापत्तनम में छह वर्षीय बच्चे की शिक्षिका के थप्पड़ के बाद मौत हो गई। पहले बच्चा शिक्षिका की गोद में बेहोश होकर गिरता है। परिवार ने शिक्षिका पर गंभीर आरोप लगाया है। मामले में जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है। कानूनी कार्रवाई जारी है।विशाखापत्तनम के एक स्कूल टीचर ने कथित तौर पर एक छह साल के एक लड़के को थप्पड़ मारा। जिसके कारण उसकी मौत हो गई है। यह जानकारी एक पुलिस ने दी। वीडियो में क्या दिखाता है? -गुरुवार को वायरल हुए एक वीडियो के अनुसार, एक बालवाड़ी छात्र को शिक्षिका की डेस्क के पास कतार में खड़े होकर अपना होमवर्क चेक करवाते हुए देखा गया। लड़का परेशान लग रहा था और शिक्षिका के सामने रोता हुआ दिखाई दिया। इसके साथ ही शिक्षिका ने उसकी ड्रेस ठीक करता है।इसके बाद शिक्षिका बच्चे को अपनी ओर खींचता है। उसे थप्पड़ मारता है। स्थिर खड़ा रहता है, फिर अचानक शिक्षिका की गोद में बेहोश होकर गिर जाता है। बाद में शिक्षिका छात्र को होश में लाने की कोशिश करता है।परिवार ने क्या आरोप लगाया? - घटना के बाद, स्कूल के कर्मचारी और अन्य लोग कक्षा में पहुंचे और बच्चे को अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। बाद में परिवार के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, आरोप लगाया कि कथित हमले के बाद अत्यधिक घबराहट और तनाव के कारण बच्चे की मृत्यु हो गई।

पैलेट गन मामले में FIR दर्ज कराने पर अड़े राहुल
थाने में राहुल गांधी का धरनाः कांग्रेस नेता ने कहा- जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, यहां से नहीं हिलेंगे

पेपर लीक के खिलाफ हुए छात्रों के प्रदर्शन में पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर एक बार फिर सियासत शुरू हो गई है। शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पुलिस कार्रवाई में कथित रूप से पैलेट गन के इस्तेमाल में घायल शख्स को लेकर संसद मार्ग थाने पहुंचे। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, वह यहां मामले की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे हैं। एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने पर राहुल गांधी थाना परिसर में ही धरने पर बैठ गए हैं।नेता राहुल गांधी ने कहा, 20 जुलाई को पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था। साहिल के शरीर के निशान की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसके सबूत ये रहे। इन्हें ध्यान से देखिए। ये कहां से आए? ये वो पैलेट हैं जो उसके शरीर में धंसे हुए हैं। उसके शरीर के अंदर 200 से ज्यादा पैलेट हैं। तीन पैलेट उसकी आंख में हैं। यह लेडी हार्डिंग की रिपोर्ट है। इसमें साफ लिखा है कि उसके शरीर में 200 से ज्यादा पैलेट हैं। तीन पैलेट उसकी आंख में हैं। उसकी आंख चली गई है। वह उस आंख से अब कभी नहीं देख पाएगा। राहुल गांधी ने कहा, 20 जुलाई को कनॉट प्लेस में पैलेट गन का प्रयोग हुआ था। इसका सबूत ये पैलेट है जो कि साहिल के शरीर में थे। AIIMS की इस रिपोर्ट में साफ लिखा है कि इनके शरीर में कितने छर्रे हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हमने छर्रे नहीं चलाए लेकिन अगर आपने नहीं चलाए तो ये छर्रे किसी ने तो चलाए होंगे। हम केवल यह कह रहे हैं कि एफआईआर दर्ज कीजिए। अंदर से हमें बताया जा रहा है कि ऊपर से ऑर्डर है कि स्न्ढ्क्र दर्ज नहीं हो सकती है। जब तक स्न्ढ्क्र नहीं होती तब तक हम यहां से नहीं हिलेंगे।हम केवल इस परिवार के लिए न्याय मांग रहे हैं।थाने में विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने कहा, जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, यहां से नहीं हिलेंगे। दिल्ली पुलिस एफआईआर दर्ज करे। हमें बताया जा रहा है कि एफआईआर दर्ज नहीं हो सकती है। रैपिड एक्शन फ़ोर्स के जवान संसद पुलिस स्टेशन के बाहर पहुंचे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी छ्ष्टक्क से मुलाक़ात के बाद भी यहीं मौजूद हैं। उनके साथ साहिल लोचव भी हैं, जो पिछले महीने जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से घायल हो गए थे। राहुल गांधी ज़ोर दे रहे हैं कि लोचव की लिखित पुलिस शिकायत पर स्न्ढ्क्र दर्ज की जाए। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत पार्टी के कई नेता भी यहां मौजूद हैं।
कांग्रेस कार्यकर्ता पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर नारेबाजी कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी डीसीपी से मुलाकात के बाद भी यहीं रुके हुए हैं। उनके साथ छात्र साहिल भी हैं, जो पिछले महीने जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से घायल हो गए थे। राहुल गांधी का कहना है कि साहिल की लिखित शिकायत पर स्न्ढ्क्र दर्ज की जाए। प्रियंका गांधी वाड्रा समेत पार्टी के कई नेता भी यहां पहुंचे हैं।कांग्रेस ने भाजपा निशाना साधते हुए कहा कि छात्रों पर पैलेट गन चलाने का ऑर्डर किसने दिया? अमित शाह और दिल्ली पुलिस को जवाब देना होगा। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, एफआईआर दर्ज करो साहिल को न्याय दो अमित शाह और दिल्ली पुलिस कितनी भी कोशिश कर लें छात्रों की आवाज दबाई नहीं जा सकती, न्याय होकर रहेगा। साहिल की कंप्लेन पर इन्वेस्टिगेशन नंबर ही नहीं दिया गया है, जिससे कि एफआईआर दर्ज हो सके। एम्स से भी साहिल की एमएलसी (मेडिको लीगल केस) रिपोर्ट नहीं दी गई है, जिसको कि कंप्लेन और एफआईआर में लगाया जा सके। ये सरासर अन्याय है। अमित शाह और दिल्ली पुलिस सुन लें- ये तानाशाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छात्रों के न्याय के लिए हम पूरी ताकत से लड़ते रहेंगे।कांग्रेस ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, %अमित शाह ने देश के बच्चों पर पैलेट गन चलवाई, जिसमें साहिल को पैलेट लगने से आंख में गंभीर चोट आई थी। साहिल और उसकी मां लगातार पुलिस के पास जाकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग कर रहे थे, जिसे पुलिस नजरअंदाज कर रही थी। इसलिए आज नेता विपक्ष राहुल गांधी, साहिल और उसकी मां के साथ पुलिस अधिकारियों से मिले और जांच की जानकारी मांगी।कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा- हम छात्रों के साथ खड़े हैं। हम न्याय के लिए खड़े हैं। हम चुप नहीं रहेंगे। एफआईआर दर्ज होने तक डीसीपी ऑफिस के बाहर धरना।

बंगाल में 45 दिन में एक्शनः BSF-SSB को मिली 1,129 एकड़ जमीन;अमित शाह ने बताया मजबूत होगी सीमा सुरक्षा

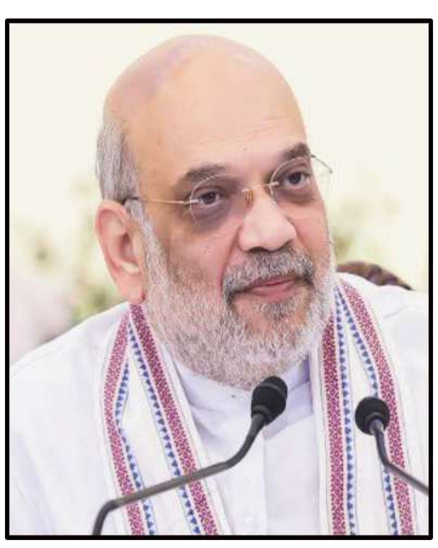

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सशस्त्र सीमा बल (SSB) के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर ही सुवेंदु जी ने क्क्स्न और SSB को 1,129 एकड़ जमीन दी है। काम में यह तेजी इसलिए नहीं है कि वह भाजपा के मुख्यमंत्री हैं। वह समझते हैं कि जब तक घुसपैठ नहीं रुकेगी, तब तक न तो पश्चिम बंगाल सुरक्षित है और न ही भारत। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल में बीएसएफ और एसएसबी को 1,129 एकड़ जमीन दिए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर यह कदम उठाया गया और इसकी वजह BJP सरकार होना नहीं, बल्कि घुसपैठ के खतरे को समझना है। अमित शाह ने जोर देकर कहा कि घुसपैठ पर रोक लगाए बिना न तो पश्चिम बंगाल और न ही भारत को पूरी तरह सुरक्षित किया जा सकता है। 45 दिनों में क्क्स्न और स्स्क्क को दी 1,129 एकड़ जमीन- अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सरकार बनने के महज 45 दिनों के भीतर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सीमा सुरक्षा बल (क्क्स्न) और सशस्त्र सीमा बल (स्स्क्क) के लिए 1,129 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। उन्होंने इसे सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया।गृह मंत्री ने कहा कि इस काम में दिखाई जा रही तेजी की वजह केवल यह नहीं है कि राज्य में BJP की सरकार है। उनके मुताबिक, इसके पीछे घुसपैठ के खतरे को लेकर गंभीर समझ और उसे रोकने की प्रतिबद्धता है।अमित शाह ने कहा कि जब तक घुसपैठ पर पूरी तरह रोक नहीं लगती, तब तक पश्चिम बंगाल की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती। उन्होंने इसी संदर्भ में कहा कि घुसपैठ रुकना जरूरी है, क्योंकि इसके बिना न तो पश्चिम बंगाल सुरक्षित होगा और न ही भारत। सशस्त्र सीमा बल के जवानों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा और घुसपैठ रोकने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक और सीमाई सुरक्षा के लिए सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।खुली सीमा की सुरक्षा करना सबसे कठिन काम- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वह हमेशा मानते हैं कि खुली सीमा की सुरक्षा करने वाले स्स्क्क जवानों का काम सबसे कठिन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से सिलिगुड़ी कॉरिडोर के महत्व को पहचाना है। एक संवेदनशील कॉरिडोर है, जो 8 राज्यों को जोड़ता है और जहां नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाएं मिलती हैं। अमित शाह ने बताया कि सरकार ने चोपड़ा, किशनगंज और धुबरी में सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ाई है।

यूपी गैंगस्टर एक्ट पर अदालत की सख्त टिप्पणी, कहा- मनमानी कार्रवाई की इजाजत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर कानून के प्रावधानों को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अदालत का कहना है कि किसी व्यक्ति को केवल गैंगस्टर के रूप में चिन्हित करना अपने आप में दंड का आधार नहीं बन सकता। पीठ ने माना कि कानून की मौजूदा संरचना नागरिकों की स्वतंत्रता प्रभावित करने और लंबे समय तक बिना मुकदमे हिरासत की स्थिति पैदा करने का खतरा रखती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के दुरुपयोग की आशंका है। कोर्ट ने कहा कि 1986 का यह कानून शुरू से ही निष्प्रभावी (स्टिलबॉर्न) है, क्योंकि किसी व्यक्ति को सिर्फ गैंगस्टर का लेबल लगा देने के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि हिंसा और संगठित अपराध रोकने के लिए बनाया गया यह कानून अनजान नागरिकों के खिलाफ भी इस्तेमाल किया जा सकता है।उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एंड एंटी-सोशल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट एक विशेष राज्य कानून है। इसे संगठित अपराध गिरोहों, आपराधिक गैंग और आदतन असामाजिक तत्वों को निशाना बनाने, नियंत्रित करने और सजा देने के लिए बनाया गया था। स्टिलबॉर्न एक कानूनी शब्द है। इसका इस्तेमाल ऐसे कानून के लिए किया जाता है, जिसे शुरुआत से ही अमान्य या कानूनी रूप से निष्प्रभावी माना जाता है, क्योंकि वह किसी वैध अपराध को स्पष्ट रूप से तय नहीं करता।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कानून हिंसा रोकने के नाम पर नागरिकों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने की स्थिति पैदा कर सकता है। पीठ ने कहा, गैंग की परिभाषा तय करने के बाद, जिसमें उप-खंड (क) से (25वें) में सूचीबद्ध अपराधों को करना शामिल है, और गैंगस्टर को गैंग के सदस्य, नेता या आयोजक के रूप में परिभाषित करने के बाद, बिना किसी अपराध को कानून के तहत बनाए गैंगस्टर के लिए सजा तय की गई है। यही इस दंड कानून को शुरू से ही निष्प्रभावी बनाता है। शीर्ष अदालत ने अंग्रेजी लेखक जॉर्ज ऑरवेल को उद्धृत करते हुए कहा, जो लोग हिंसा से दूर रहते हैं, वे ऐसा केवल इसलिए कर सकते हैं क्योंकि दूसरे उनकी ओर से हिंसा कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि आपराधिक गिरोहों के खतरे पर रोक लगाना जरूरी है, लेकिन इसके लिए अपनाए गए तरीके को सही नहीं ठहराया जा सकता। खासकर तब, जब ऐसा दंड कानून बनाया जा रहा हो जो नागरिकों की स्वतंत्रता में दखल देता है।

संपादकीय Editorial

Government Jobs

This time, the files were heavily contested. Six thousand job files and a multitude of vacancies across various departments. The number will only increase, as many positions remain vacant.

However, the Cabinet assured various regions of Himachal Pradesh that the government is capable of closely monitoring the excellence of its work. In this context, the plethora of jobs is being trumpeted. Looking at the allocation of jobs in rural and urban areas, we realize that the state resides in villages.

The appointment of 400 multi-task workers within the Gram Panchayats will remove many obstacles. Another area is crying out for help within the school district, where 3,950 watchmen and multi-task workers are being recruited simultaneously. However, the need for a large task force for the protection and maintenance of government buildings remains.

Surprisingly, grass grows in the walls of new buildings, while bushes grow in the courtyards instead of flowers. We have seen thorns growing in the District Magistrate's offices, yet complainants still consider this a guarantee of justice. To strengthen the school library movement, 200 library assistant positions will be created. Panchayats will receive 280 young people as technical job trainees, meaning they will have both recognition and work in the government job market.

There are several categories that will only be fulfilled in time. In this context, structural recruitment is also opening up in the police. The criteria for recruiting 800 police constables has been reopened, and this time, applicants will be granted a one-year age relaxation. Demands to expand the Police District Nurpur have led to the approval of 102 posts.

Selection of posts and job implementation are raising the bar for several institutions. The bequest being written to the State Sports Excellence Center in Nadaun is being expanded, with 48 posts being created simultaneously. Similarly, 15 posts are being created to complete the integrated aqua park.

Cabinet meetings are approving positions to meet the immediate needs of various medical colleges, sports institutions, and various departments. In this context, numerous vacancies are being reported in civil, regional, and zonal hospitals. A shortage of doctors and paramedical staff is being felt, although 800 assistant staff nurse positions are being created.

However, by opening the door to nearly 6,000 jobs simultaneously, the government has encouraged the selection process and infused hope into the veins of the youth. It is a different matter that the private sector is far ahead in terms of job security.

In Himachal, the largest employment opportunities are found in retail marketing, online commerce, and tourism. The private employment market also needs occasional government encouragement. Himachali youth seeking employment in BBN and other industrial centers need affordable hostels.

Similarly, employment guidance programs must be implemented in schools and colleges. Himachal needs colleges focused on rural, community, and professional subjects. It is surprising that the students of Takipur College do not need employment-oriented education, but science classes.

If only the residents there would demand classes in dairy or agriculture. Why not turn Nagrota Surian College into the College of Fisheries Studies, or make Nalagarh College a hub for industrial employment training and learning?

Iran Seeks Victory in Defeat: Trump Promised Liberation from Religious Dictatorship, Now Iranians Must Fight an Unfinished War

Iran, which harbors the illusion of victory even in defeat, poses a grave threat not only to world peace but also to its own future. Trump promised liberation from religious dictatorship, but circumstances are evolving such that Iranians will now have to fight Iran's unfinished war. This is exactly what we all thought. No one won this war. The image of both the US and Iran was damaged. For the US, the loss was symbolic, while Iran paid the price of the death of its Supreme Leader, Ayatollah Ali Khamenei.

In the battle of narratives, there was only one winner: Iran. A strange combination of anti-American sentiment, anti-Semitism, and a civilizational misconception helped a brutal regime cultivate the image of a "weak, yet resilient force." There was no prominent religious leader to claim victory by relying on the old narrative of an ever-ongoing struggle against the US. Nevertheless, Iran did not refrain from using this narrative victory to mislead the public even after the ceasefire. Iran broke the agreement because it could.

From its perspective on the world after the unfinished war, Iran views the United States as a weak or declining power and its president as a big-talking fraud. Iran believes that even though it has suffered losses and is wounded, it can still challenge a superpower. Meanwhile, Trump has allowed himself to be taken for granted, and Iran has taken this cue from the world. Almost every world leader is mastering the art of playing on the American president's ego.

They are learning to understand Trump's sudden decisions and underestimate his wisdom.

Iran has dared to mock him. Trump's imperialism has been correctly understood. He heads an empire as big as his own ego. Iran's return as the sole custodian of the Strait of Hormuz is a direct attack on President Trump, who claims to have won the war. It was a challenge to the very president who promised to free this passage, a key part of his vision of an energy-rich future for America. Trump's vision, despite his own intentions, is aligned with the economic needs of the rest of the world. Iran feels that history is on its side, and so is the sentiment of a world fed up with Trump. It has nothing to lose, having already lost most of its leaders. What it retains is a military-Islamic structure, honed to extreme lethality and precision over more than four decades. This is the only strong system Iran possesses, and it is so deeply entrenched that no war can dismantle its expansion or dismantle its anonymous leadership structure. Iran's response, which disappointed the US, demonstrated how a war can be neutralized even without the guidance of a "revolutionary of God." It seemed as if some mysterious force from Persian folklore was controlling evil on a grand scale.

It remains the same now. Trump may claim that America doesn't need war to continue its offensive against an aggressive Iran, but he has no idea of ??the reality of the system he is trying to negotiate with. Iran has a government without a single supreme authority or voice. The credibility of all its spokespersons is merely a hologram. Iran has won the narrative battle, allowing it to transform martyrdom into national strength and rubble into a monument. This faceless government is free from human accountability; even its pretense of religious legitimacy is merely a revolutionary facade. This dangerous independence not only confronts American power but also undermines it. But its victims aren't just the United States or the sailors risking their lives in the Strait of Hormuz. They, too, pay the price, as does the entire Middle East. Iran, seeking an easy target to avenge the US attack, has already created an atmosphere of unease in the Gulf region. Iran has always displayed its spiritual and military power with the self-assurance of an imperialist nation. In reality, and in its attitude, it was. It supplied weapons and Islamic ideology to terrorist organizations in its neighborhood, harboring intense hatred and a desire to destroy those it deemed unfriendly. Yet, Iran, seeking victory in defeat, poses not only a threat to world peace but also a grave danger to its own country. Trump launched the war by promising to liberate Iranians from religious dictatorship. This kind of moral idealism was, in fact, an old American idealism that combined self-interest with international morality. And this is precisely what those Iranians who challenged the regime wanted, ultimately ending up in prison or the graveyard. A faltering revolution's hunger is insatiable, and like all revolutions in the past, it required the blood of the rebels to sustain it. Trump was a man of hope, but few expected such a thing from him. Iran's unfinished battle must now be completed by Iranians themselves. Trump also failed to live up to his word. He denied Iranians the opportunity to launch their own revolution. A decade after the original Iranian Revolution, in 1989, a wave of change swept across Eastern Europe with the slogan "We the People." At that time, influential figures like Reagan, Thatcher, and the Pope openly advocated for freedom.

However, when Iranians felt the time had come for change, they lacked strong international support in the face of war. Only Trump appeared, who soon abandoned his promise. As a result, the Iranian regime suppressed dissent from within.

Secrets of a 5,000-year-old civilization lie in a Haryana village... A mound in Tigrana is fading away.

The mound in Tigrana, a village in Haryana that held the secrets of the 5,000-year-old Indus Valley and Harappan civilizations, is fading away. Excavations were conducted here in May 2016, revealing glass bangles, white beads, and a pottery kiln. The mound in Tigrana, once believed to hold the secrets of the 5,000-year-old Indus Valley and Harappan civilizations, is fading away.

Spread across approximately 25 acres, the mound is now becoming a pile of soil due to administrative neglect and the Archaeological Department's indifference. Surrounding farmers have leveled it and cultivated crops. As a result, historical evidence and signs of archaeological significance have been erased. The mound, which was supposed to preserve and connect generations to history, lies abandoned.

Tigrana village is located approximately 10 kilometers from Bhiwani towards Jind. A historic mound is located eight kilometers away. In May 2016, under the leadership of Dr. Narendra Parmar, then Director of the Department of Archaeology at the Central University of Haryana (Pali), an excavation was conducted at the historic mound, spread over an area of ??approximately 25 acres near Tigrana. The team discovered glass bangles and a pottery kiln. Pottery, copper objects, faience (green bangles made of paste material), and white beads, which were used as jewelry, were also found. Semi-precious stones were also discovered. According to historians, the people of the Indus Valley Civilization used these in their daily lives. They believe that Tigrana may have been an industrial center during that period. The remains found here are preserved in the museum of the Department of Archaeology at the Central University of Pali, Mahendragarh. However, now a large portion of this historic mound has been leveled for farming, destroying the thousands of years of old relics buried in the soil. The Archaeological Department was supposed to preserve it and build a boundary wall around it, but that failed.

As a result, the mound is slowly on the verge of disappearing. A large portion of this historic mound's land has been leveled by people for farming, destroying thousands of years of remains buried in the soil. The mound is on the verge of disappearing.

There are five historical sites in Bhiwani district where remains related to the Harappan civilization have been found. A joint study by Delhi University and Maharishi Dayanand University was conducted in village Manheru in 2009. An archaeological team from Banaras University discovered the Harappan civilization in Khanak, Tosham, in 2016. Remains of the Yaudheya (Kushan) civilization were found in 2001 in the fields of village Naurangabad. In village Mitathal, Harappan remains were discovered by Professor Suraj Bhan of Kurukshetra University in 1968.

मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना में मुरादाबाद को प्रदेश में चौथा स्थान

679 श्रमिकों को योजना का लाभ, श्रमिक पंजीयन एवं योजनाओं के प्रचार-प्रसार में लगातार बढ़ाए जा रहे प्रयास। मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में जनपद मुरादाबाद ने जुलाई 2026 में प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देश पर श्रमिक पंजीयन एवं विभिन्न योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए लेबर अड्डों, ग्राम चौपालों एवं ग्राम पंचायतों में कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही पात्र श्रमिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए हितलाभ वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप

जुलाई 2026 तक कुल 679 श्रमिकों को मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना का लाभ दिलाया जा चुका है।

श्रम विभाग द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य भवन एवं अन्य सन्निर्माण प्रक्रियाओं में कार्यरत पात्र श्रमिकों के नवजात शिशुओं को जन्म से दो वर्ष की आयु पूर्ण होने तक सहायता उपलब्ध कराना तथा पंजीकृत महिला एवं पुरुष श्रमिकों की पत्नियों को प्रसव के उपरांत पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है। साथ ही बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने और बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को हतोत्साहित करना भी योजना का प्रमुख उद्देश्य है।

योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए पंजीकृत निर्माण श्रमिक का कम से कम एक वर्ष पुराना एवं नवीनीकृत पंजीयन होना आवश्यक है। योजना में अधिकतम दो बच्चों तक लाभ अनुमन्य है। श्रमिक के पुत्र होने पर ?20,000 तथा पुत्री होने पर ?25,000 की सहायता दी जाती है। पंजीकृत महिला श्रमिक के संस्थागत प्रसव होने पर ?6,000 की अतिरिक्त सहायता का प्रावधान है। यदि महिला श्रमिक का प्रसव किसी पंजीकृत निर्माण श्रमिक के साथ होने की स्थिति में हो, तो महिला श्रमिक को तीन माह के न्यूनतम वेतन के समतुल्य धनराशि तथा ?1,000 चिकित्सा बोनस के रूप में देय होता है।

इसके अतिरिक्त परिवार में पहली अथवा दूसरी संतान बालिका होने या कानूनी रूप से गोद ली गई बालिका की स्थिति में ?25,000 की सावधि जमा तथा जन्म से दिव्यांग बालिका की स्थिति में ?50,000 की सावधि जमा का प्रावधान है। यह धनराशि बालिका के 18 वर्ष की आयु तक अविवाहित रहने की स्थिति में देय होगी।

मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के लिए ह्वश्चड्ढश्च2.द्बठ्ठ पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। योजना से संबंधित जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया में सहायता के लिए कार्यालय उप श्रमायुक्त, मुरादाबाद में हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की समीक्षा, डीएम ने दिए सुधार के निर्देश

आभा आईडी में 80 प्रतिशत से अधिक प्रगति तथा आयुष्मान योजना में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने पूर्व बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा करते हुए सभी एमओआईसी को सक्रियता के साथ कार्य करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। आभा आईडी की समीक्षा में मुरादाबाद अर्बन में 57 प्रतिशत और कुन्दरकी में 68 प्रतिशत प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आगामी बैठक तक 80 प्रतिशत से अधिक प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयुष्मान भारत योजना में बिलारी, डिलारी, कुन्दरकी एवं ठाकुरद्वारा की अपेक्षाकृत कम प्रगति पर जिलाधिकारी ने संबंधित एमओआईसी को सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रत्येक सात दिन में आयुष्मान योजना की समीक्षा करने को कहा।

जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सालयों में पर्याप्त मात्रा में दवाओं की उपलब्धता, बेहतर साफ-सफाई तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पतालों में बेड की चादरें साफ-सुथरी हों और उन पर किसी प्रकार के दाग-धब्बे न हों।संस्थागत प्रसव की समीक्षा में कुन्दरकी, डिलारी एवं बिलारी की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर सुधार के निर्देश दिए।

जननी सुरक्षा योजना के तहत 77 से 78 प्रतिशत भुगतान की स्थिति पर जिलाधिकारी ने शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में कांठ, बिलारी एवं डिलारी की कम प्रगति पर संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टिक्षीणता नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति का पूर्ण विवरण उपलब्ध कराने तथा प्रभावी ढंग से कार्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही योजनाओं के अंतर्गत किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सफलता की कहानियां भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। नियमित टीकाकरण में जुलाई माह तक 84 प्रतिशत प्रगति पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि टीकाकरण कवरेज में किसी भी स्थिति में गिरावट नहीं आनी चाहिए। 12 से 23 माह आयु वर्ग के बच्चों के टीकाकरण कवरेज में भोजपुर एवं ठाकुरद्वारा तथा 09 से 11 माह आयु वर्ग में कुन्दरकी, कांठ, मूंढापांडे, ठाकुरद्वारा एवं ताजपुर की कम प्रगति पर संबंधित एमओआईसी को विशेष ध्यान देकर सुधार के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का वास्तविक लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। सभी अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कम प्रगति वाले क्षेत्रों में विशेष प्रयास करें और निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल, सीएमएस, एमओआईसी, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुरादाबाद के खेतों में एआई रखेगा तेंदुओं पर 24×7 नजर: 39.45 लाख से 200 हेक्टेयर में बिछेगा हाईटेक सुरक्षा चक्र

लगातार हमलों के बाद डीएम ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से मांगी धनराशि

मुरादाबाद, 20 अगस्त। उत्तराखंड की सीमा से सटे मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा और कांठ क्षेत्र में गन्ने के घने खेतों को ढाल बनाकर आबादी पर हमला कर रहे तेंदुओं के आतंक से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित स्मार्ट डिफेंस मॉडल तैयार किया है। मुख्यमंत्री के %आपदा में न्यूनतम जनहानि% के संकल्प के तहत जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, मुरादाबाद ने उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (लखनऊ) के राहत आयुक्त व अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को 39.45 लाख रुपये का विशेष पायलट प्रोजेक्ट भेजा है। यह पूरी कार्ययोजना राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के तहत प्रस्तावित की गई है। इसके तहत 5 गांवों के 200 हेक्टेयर अति-संवेदनशील क्षेत्र को 24 घंटे रियल-टाइम निगरानी और अर्ली वार्निंग नेटवर्क से लैस किया जाएगा। 20 एआई कैमरे और सोलर इंफ्रास्ट्रक्चर खेतों में 24म7 पहरा- गन्ने के ऊंचे खेतों में छिपने वाले तेंदुओं को ट्रैक करने के लिए मुरादाबाद प्रशासन ने पारंपरिक गश्त के बजाय हाईटेक एआई नेटवर्क का खाका खींचा है। 200 हेक्टेयर क्षेत्र में 20 अत्याधुनिक एआई कैमरे (नाइट विजन व स्वचालित पहचान क्षमता युक्त) लगाए जाएंगे। इन कैमरों को खेतों के बीच 5 बड़े पोल और 15 मध्यम पोल पर स्थापित किया जाएगा। ग्रामीण इलाकों में बिजली की समस्या से निपटने के लिए पूरा तंत्र सोलर आधारित होगा, जिसमें 20 सोलर बैटरी सिस्टम और 20 सोलर पैनल लगाए जाएंगे। साथ ही 20 एआई प्रोसेसिंग यूनिट, 20 हाई-स्पीड 4जी कनेक्टिविटी मॉड्यूल, 20 एसएसडी स्टोरेज और 5 तड़ित चालक (लाइटनिंग प्रोटेक्शन यूनिट) इस सुरक्षा ग्रिड को मौसम की मार से सुरक्षित और निर्बाध रखेंगे। कंट्रोल रूम से रियल-टाइम अलर्ट और ड्रोन से सर्च ऑपरेशन- इस पूरी प्रणाली की धड़कन एक केंद्रीकृत इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम होगा। जैसे ही कोई तेंदुआ या संदिग्ध वन्यजीव एआई कैमरे के फ्रेम में आएगा, एआई बोर्ड तुरंत उस वीडियो का विश्लेषण कर लोकेशन और समय के साथ कंट्रोल रूम को लाइव अलर्ट भेजेगा। कंट्रोल रूम से तुरंत फील्ड में लगे पब्लिक एड्रेस (पीए) सिस्टम और 4 पोर्टेबल मेगाफोन के जरिए ग्रामीणों को तत्काल चेतावनी देकर सतर्क किया जाएगा। घने या दुर्गम खेतों में मानव टीम को खतरे में डालने से पहले 2.50 लाख रुपये की लागत वाला 1 विशेष सर्विलांस ड्रोन आसमान से तेंदुए की सटीक लोकेशन ट्रैक करेगा। इसके बाद वन विभाग की रेस्क्यू टीम 10 आधुनिक लैपर्ड रेस्क्यू केज और रात के ऑपरेशन के लिए 100 हाई-पावर टॉर्च की मदद से वैज्ञानिक प्रोटोकॉल (एसओपी) के तहत वन्यजीव को सुरक्षित रेस्क्यू करेगी। 39.45 लाख का पाई-पाई का बजट गणित- अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) मुरादाबाद द्वारा तैयार विस्तृत लागत अनुमान के अनुसार, परियोजना में 10 वन्यजीव रेस्क्यू केज पर सर्वाधिक 10 लाख और 20 एआई कैमरों पर 7 लाख व्यय होंगे। एआई बोर्ड/प्रोसेसिंग यूनिट पर ?6 लाख, सोलर पैनल पर 2.50 लाख, सर्विलांस ड्रोन पर 2.50 लाख, सोलर बैटरी बैकअप पर 2 लाख और 4त्र डेटा ट्रांसमिशन चिप पर 2 लाख की लागत आएगी। इसके अलावा मध्यम पोल पर ?1.50 लाख, बड़े पोल पर 1 लाख, 100 हाई-पावर टॉर्च पर ?.50 लाख, सोलर लाइटिंग पर 1.50 लाख, मेगाफोन पर 1.20 लाख, एसएसडी स्टोरेज पर ?1 लाख, लाइटनिंग प्रोटेक्शन पर ?50 हजार, इंस्टॉलेशन चार्ज पर 50 हजार और पीए सिस्टम पर 25 हजार खर्च किए जाएंगे। कुल 39.45 लाख की यह परियोजना 10 हफ्तों के 6 चरणों (सर्वे, पोल व सोलर स्थापना, सिस्टम एकीकरण, कंट्रोल रूम टेस्टिंग, एसओपी ट्रेनिंग और लाइव डिप्लॉयमेंट) में धरातल पर उतरेगी। सफल मॉडल बनते ही 50 किमी दायरे में होगा महा-विस्तार प्रशासन के अनुसार यह 5 गांवों का पायलट प्रोजेक्ट एक आधारशिला है। पायलट चरण के परिणामों, प्रतिक्रिया समय और अलर्ट की सटीकता का विश्लेषण करने के बाद इसे कांठ और ठाकुरद्वारा तहसील के लगभग 50 किलोमीटर के विशाल दायरे में विस्तारित किया जाएगा। मुरादाबाद का यह एआई पायलट प्रोजेक्ट पूरे प्रदेश के मानव-वन्यजीव संघर्ष वाले जिलों के लिए नजीर बनेगा।

5 गांवों के संवेदनशील गन्ने के खेतों में 20 एआई कैमरे, 1 ड्रोन और 10 रेस्क्यू केज से बनेगा स्मार्ट कवच, सफलता के बाद 50 किमी के दायरे में होगा विस्तार

संक्षिप्त समाचार

बोलती दीवारों' से बच्चों को सीखने की नई राह दिखा रहा मोहम्मदपुर बस्तौर का विद्यालय, 178 विद्यार्थियों का नामांकन

गतिविधि आधारित शिक्षण और सामुदायिक सहभागिता बनी विद्यालय की पहचान। विकास खंड कुंदरकी के ग्राम मोहम्मदपुर बस्तौर में संचालित प्राथमिक विद्यालय परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार की मिसाल प्रस्तुत कर रहा है

प्रधानाध्यापक श्री नरेश कुमार वर्मा ने बताया कि विद्यालय का समस्त स्टाफ बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ ही उनके सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। शैक्षिक सत्र 2026-27 में विद्यालय में 178 विद्यार्थियों का नामांकन है। विद्यालय का आकर्षक भौतिक एवं शैक्षिक परिवेश बच्चों को सहज रूप से सीखने के लिए प्रेरित करता है। टीएलएम से सजे कक्षा-कक्ष और 'बोलती दीवारें' विद्यालय की खास पहचान है। यहां बाल-केंद्रित एवं गतिविधि आधारित शिक्षण, सतत आकलन, समूह आधारित शिक्षण तथा शैक्षिक तकनीकों का प्रभावी प्रयोग किया जाता है। नामांकन बढ़ाने को घर-घर पहुंच रहे शिक्षक- विद्यालय में नामांकन एवं बच्चों के ठहराव को बढ़ावा देने के लिए नामांकन मेले, नामांकन रैली, घर-घर जनसंपर्क और नियमित शिक्षक-अभिभावक बैठकों का आयोजन किया जाता है। बच्चों की शैक्षिक प्रगति की जानकारी अभिभावकों से साझा करने के लिए उनकी हॉलिस्टिक डेवलपमेंट रिपोर्ट भी साझा की जाती है। प्रधानाध्यापक स्वयं कक्षाओं में जाकर शिक्षण कार्य की समीक्षा करते हैं और शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ शैक्षिक संवाद करते हैं। समय-सारिणी के अनुसार अध्यापन, नियमित शिक्षक बैठक, वार्षिक उत्सव

तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने की व्यवस्था भी विद्यालय में है। पढ़ाई के साथ स्वास्थ्य और खेल पर भी जोर- विद्यालय में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। मध्याह्न भोजन में गुणवत्तापूर्ण सामग्री के प्रयोग के साथ बच्चों को निर्धारित अंतराल पर आयरन एवं एल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई जाती हैं। विद्यालय में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए खेल सामग्री उपलब्ध है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान और परिसर की नियमित साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। अभिभावकों और बच्चों की भी भागीदारी- विद्यालय में मासिक एसएमसी बैठक, बाल संसद, माता समूह और इको क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। कक्षा-5 के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह तथा अभिभावक सम्मान समारोह भी आयोजित किए जाते हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक प्रत्येक 15 दिन में बैठक कर शैक्षिक गतिविधियों एवं विद्यालय की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी भी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों तक पहुंचाई जाती है। प्रधानाध्यापक श्री नरेश कुमार वर्मा बताते हैं कि विद्यालय का समस्त स्टाफ बच्चों को बेहतर से बेहतर शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए टीम भावना से कार्य कर रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार, अनुशासन और सामुदायिक सहभागिता के समन्वय से प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर बस्तौर जनपद के आदर्श विद्यालयों में अपनी पहचान बना रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नाथ कॉरिडोर की थीम पर बरेली में बनेंगे भव्य सोमनाथ और विश्वनाथ द्वार ,शिव प्रतिमा , त्रिशूल और फसाड लाइटिंग होंगे खास आकर्षणका केंद्र

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप नाथ कॉरिडोर की परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए बरेली विकास प्राधिकरण शहर के दो प्रमुख प्रवेश मार्गों पर भव्य सोमनाथ एवं विश्वनाथ द्वार का निर्माण कराएगा। नैनीताल रोड पर सोमनाथ द्वार और पीलीभीत रोड पर विश्वनाथ द्वार बनाया जाएगा। दोनों द्वार भगवान शिव की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित होंगे। भव्य पत्थर का स्थापत्य, आकर्षक शिव प्रतिमा, त्रिशूल और आधुनिक फसाड लाइटिंग

इनके प्रमुख आकर्षण होंगे। रात में विशेष प्रकाश व्यवस्था से इनकी भव्यता और निखरेगी। नाथ कॉरिडोर के तहत बरेली में पहले से अवैधनाथ, अलखनाथ, त्रिवटीनाथ और केदारनाथ द्वार विकसित किए जा चुके हैं। अब सोमनाथ और विश्वनाथ द्वार इस स्थापत्य श्रृंखला को नया विस्तार देंगे। बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय, द्बुस ने कहा कि इन द्वारों के माध्यम से बरेली की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक शहरी विकास से जोड़ा जा रहा है। दोनों प्रवेश द्वार शहर की पहचान और सौंदर्यीकरण के प्रमुख प्रतीक बनेंगे। सोमनाथ और विश्वनाथ द्वार बरेली में शिवभक्ति, भारतीय स्थापत्य और आधुनिकता के भव्य संगम की नई पहचान बनेंगे।

खेत के पैसों के विवाद में चली गोली , महिला की जांघ में लगी : अन्य घायल , हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली, बदायूं। सहसवान थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ेरिया में खेत की भराई के पैसों को लेकर दो पक्षों में विवाद के बाद जमकर मारपीट और फायरिंग हो गई। आरोप है कि लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया गया। इसी दौरान हुई फायरिंग में रजनी नामक महिला की बायीं जांघ में गोली लग गई। गंभीर हालत में उसे बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका ऑपरेशन चल रहा है। पीड़ित पक्ष के अनुसार 20 अगस्त की सुबह खेत पर पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद शुरू हुआ था। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। शोर सुनकर पहुंचे परिजनों पर भी हमला किए जाने का आरोप है। इसी दौरान तमंचे से फायरिंग की गई, जिसमें रजनी घायल हो गई। मारपीट में नेत्रपाल, मन्नू और अमरीश समेत अन्य लोग भी घायल बताए गए हैं, जिनका बदायूं में उपचार चल रहा है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर हत्या के प्रयास समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक रामवीर सिंह को सौंपी है। पुलिस के मुताबिक अभी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना से जुड़े वायरल वीडियो, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है।

डीएम एसएसपी ने कछला घाट का किया स्थलीय निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बदायूँ श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 के दृष्टिगत जिलाधिकारी अवनीश राय ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के साथ कछला घाट पहुंचकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रूट डायवर्जन के दौरान पुल के दोनों ओर 500-500 मीटर की दूरी पर ही दोपहिया वाहनों का प्रवेश वर्जित रहे। श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए गोविन्द वल्लभ पंत कॉलेज में पार्किंग की व्यवस्था रहे। पुलिस अधिकारियों को मजिस्ट्रेटों के साथ सुरक्षा संबंधी समुचित व्यवस्थाओं के लिए दायित्व सौंपे गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने बदायूँ व कासगंज बार्डर का स्थलीय निरीक्षण किया।

कांवड़ यात्रा के दौरान उत्पन्न ने हो इसको ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था, पार्किंग, रूट प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं की भी बारीकी से समीक्षा की गई। अधिकारियों

को निर्देश दिए गए कि कांवड़ यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को स्पष्ट रूप से अवगत कराया जाए कि यात्रा को सुगम बनाने के लिए आने एवं जाने हेतु अलग-अलग मार्ग निर्धारित हैं और श्रद्धालु निर्धारित मार्गों का ही प्रयोग करें, ताकि आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रभावी प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि भीड़ बढ़ने की स्थिति में यातायात का प्रभावी प्रबंधन करते हुए जाम की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी सक्रिय रहें। प्रशासन द्वारा श्रावण मास कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। इस अवसर पर सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संगीत की कोई सीमा नहीं, यह दिलों को जोड़ने का सशक्त माध्यम : डॉ. उमेश गौतम

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले हमारा सुर संसार ग्रुप के सदस्यों ने महापौर डॉ. उमेश गौतम को स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। सदस्यों ने उनके सामाजिक एवं जनहित के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर महापौर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि संगीत की कोई सीमा नहीं होती। यह समाज को जोड़ने और आपसी भाईचारा मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि बरेली की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत

करने के लिए संगीत, कला और साहित्य से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। ग्रुप के संस्थापक राज चावला ने कहा कि हमारा सुर संसार का उद्देश्य संगीत और कला के माध्यम से लोगों को जोड़ना तथा स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध कराना है। इस दौरान संचालक अजय अरोड़ा, संरक्षक मनोज उपाध्याय, कोषाध्यक्ष हरीश गोस्वामी, मीडिया प्रभारी विजय शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नाला सफाई के नाम पर तोड़फोड़, जेसीबी से दीवार क्षतिग्रस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। नगर पंचायत की नाला सफाई व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सफाई के दौरान जेसीबी से नाले की दीवार और आसपास का हिस्सा तोड़े जाने से मौके पर मलबा फैल गया। ईंट, सीमेंट और निर्माण सामग्री के ढेर से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। नाले की सफाई के नाम पर हुई इस कार्रवाई ने नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय निवासी जितेंद्र मौर्य ने बताया कि उनके घर के सामने नाले के स्लैब हटाकर सफाई की गई। इसके बाद नाले के किनारे लगी फर्स और आसपास का निर्माण भी क्षतिग्रस्त हो गया। उनका कहना है कि सफाई के लिए स्लैब हटाना समझ में आता है, लेकिन नाले की दीवार और आसपास के हिस्से को तोड़ने का क्या औचित्य था। इससे घर के सामने रास्ता भी अस्त-व्यस्त हो गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाले की गंदगी और सिल्ट हटाने के बजाय जेसीबी से कई जगह अनावश्यक तोड़फोड़ की गई। सवाल यह है कि सफाई के लिए तय सीमा से बाहर जाकर निर्माण तोड़ने की अनुमति किसने दी? यदि नाले की दीवार जर्जर नहीं थी तो उसे तोड़ने की जरूरत क्यों पड़ी और अब उसकी मरम्मत कौन कराएगा। लोगों का कहना है कि नाला सफाई का उद्देश्य जल निकासी सुचारु करना है, न कि सफाई के नाम पर निर्माण को क्षतिग्रस्त कर मलबा फैलाना। एक ओर नगर पंचायत सफाई व्यवस्था बेहतर होने के दावे कर रही है, वहीं मौके की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। लोगों ने मामले की जांच कराकर नुकसान की भरपाई कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

सीडीओ की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कार्यों में अपेक्षित सुधार एवं प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि जनपद में खराब विद्युत ट्रांसफार्मरों, विद्युत चोरी, विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं तथा लटकते विद्युत तारों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों द्वारा समस्याओं के संबंध में स्पष्ट जानकारी न दिए जाने पर

नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्रीय भ्रमण एवं स्थलीय निरीक्षण करें तथा विद्युत व्यवस्था से संबंधित समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल बैठकों में पूर्व से निर्धारित एजेंडे की जानकारी देने तक सीमित न रहें, बल्कि संबंधित कार्यों में वास्तविक प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने एआरएम रोडवेज, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी तथा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि वर्तमान में लागू रूट डायवर्जन के दृष्टिगत यातायात एवं सड़क व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रूट डायवर्जन वाले मार्गों का नियमित निरीक्षण करने तथा जहां आवश्यक हो, सड़कों की मरम्मत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डिलारी पुलिस ने किया वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, मोबाइल फोन बरामदड

क्यूँ न लिखूँ सच /ि लारी। थाना डिलारी पुलिस ने वांछित अभियुक्त के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा के पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 21 अगस्त 2026 को थाना डिलारी पुलिस टीम ने एक मुकदमा से संबंधित वांछित अभियुक्त फुरकान पुत्र अल्ताफ, निवासी ग्राम भगतपुर, थाना भगतपुर, जनपद मुरादाबाद, उम्र 32 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हरे रंग का एक ओप्पो मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में निरीक्षक अपराध राजकुमार सिंह, उपनिरीक्षक राजीव चौहान तथा कांस्टेबल 1386 अंकित चौहान शामिल रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बच्चों के बीच पहुंचीं एसडीएम निधि शुक्ला, भोजन चखा और परखी स्कूलों की व्यवस्थाएं

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। उप जिलाधिकारी मीरगंज निधि शुक्ला ने शुक्रवार को तहसील क्षेत्र के ग्राम रहपुरा जागीर

स्थित प्राथमिक विद्यालय एवं ग्राम मीरापुर के कम्पोजिट विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था के साथ-साथ रसोईघर, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, आवासीय एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसडीएम ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं, उनके लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित कर उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार किया जाए। ग्राम मीरापुर के कम्पोजिट विद्यालय में एसडीएम ने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता को संतोषजनक पाया। इसके बाद आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किया तथा उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के अध्यापक-शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। एसडीएम ने विद्यालयों में शिक्षा, स्वच्छता और बच्चों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

एनबीडब्ल्यू वारंटियों पर कैंट पुलिस का शिकंजा, काफी समय से फरार चल रहे दो आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। न्यायालय से जारी गैर जमानती अधिपत्र (एनबीडब्ल्यू) के अनुपालन में थाना कैंट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

दोनों आरोपी लंबे समय से न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहे थे। पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त 2026 को थाना स्तर पर गठित टीम ने ग्राम दुबरा निवासी दीपक पुत्र शंकर लाल तथा लालाराम उर्फ ओमप्रकाश पुत्र शंकर लाल को गिरफ्तार किया। दोनों के विरुद्ध वाद संख्या 421/26 में धारा 323, 504 व 506 आईपीसी के तहत न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी थे। गिरफ्तारी के बाद दोनों वारंटियों को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम कार्रवाई में उपनिरीक्षक विजयपाल सिंह, कांस्टेबल 1267 अवि , कांस्टेबल 1253 मोनूधामा तथा हेड कांस्टेबल 663 संदीप कुमार थाना कैंट शामिल रहे।

सरकारी शिक्षा के सितारों का होगा सम्मान, 'सीखो सिखाओ अवॉर्ड्स-2026' का ऐलान

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों और ब्लॉक संसाधन केंद्रों को सम्मानित करने के लिए 'सीखो सिखाओ अवॉर्ड्स 2026' की घोषणा की गई है। सीखो सिखाओ फाउंडेशन की इस पहल में प्रदेश के सभी 75 जिलों को शामिल किया गया है। पुरस्कार पांच श्रेणियों-शिक्षक, विद्यालय, ग्राम पंचायत, बीआरसी और बालिका शिक्षा में दिए जाएंगे। बालिका शिक्षा पुरस्कार ऐसे शिक्षक को मिलेगा, जिसने बालिकाओं की शिक्षा, सशक्तीकरण और बेहतर भविष्य के लिए उल्लेखनीय कार्य किया हो। मुताबिक पुरस्कारों का उद्देश्य उत्कृष्ट कार्यों को पहचान देने के साथ-साथ सफल शैक्षिक मॉडलों को दूसरे क्षेत्रों तक पहुंचाना है। इसके लिए प्रभावी प्रयासों का दस्तावेजीकरण कर 'स्टेट प्लेबुक' तैयार करने की भी योजना है। 21 अगस्त 2026 से शुरू आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि 20 सितंबर निर्धारित है। नामांकन ऑनलाइन किया जा सकता है। मूल्यांकन पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य उत्तर प्रदेश, बुंदेलखंड और पूर्वांचल के आधार पर होगा। कुल 17 विजेताओं और 16 उपविजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। विजेताओं की घोषणा 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस पर लखनऊ में आयोजित समारोह में की जाएगी। नामांकन के लिए संस्था की वेबसाइट www.seekhosikhao.org पर आवेदन किया जा सकता है।

मझेरा ताल के पास 7 पेटी अवैध शराब पकड़ी, आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत देहात थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 पेटी देशी प्लेन शराब जब्त की है। जब्त शराब की कीमत करीब 21 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके से आरोपी नंदकिशोर उर्फ नन्दू राठौर (45) निवासी लुधावली को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में जिलेभर में अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में देहात थाना प्रभारी निरीक्षक विकास यादव की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मझेरा ताल के पास अवैध शराब रखी हुई है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी और मौके से नंदकिशोर उर्फ नन्दू राठौर को 7 पेटी देशी प्लेन शराब के साथ पकड़ लिया। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। मामले में थाना देहात में अपराध क्रमांक 304/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने और अवैध शराब विक्रय सहित कई मामले दर्ज हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास यादव, प्रधान आरक्षक सतीश चौधरी, प्रधान आरक्षक शकील खान सहित आरक्षक जगदीश रावत, लाखन बघेल, अरुण मेवाफरोस, महेश लोधी, मिथुन कुशवाहा, संजीव शर्मा, रामजीलाल कुशवाह और भरत मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मटेरा थाना में पीस कमेटी की बैठक, सौहार्द एवं शांति बनाए रखने पर हुई चर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिहं / बहराइच। मटेरा थाना परिसर में शुक्रवार को पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नानपारा क्षेत्राधिकारी चित्रांश गौतम ने की। इस दौरान थाना प्रभारी प्रेम पाल सिंह ने क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में मटेरा चौराहा चौकी प्रभारी सूर्यकांत चौबे, शंकरपुर चौराहा चौकी प्रभारी नवीन कुमार, उपनिरीक्षक विजय गुप्ता, धात्री शंकर सहाय, हीरा लाल यादव, राज मंगल यादव, रवींद्र कुमार, शुभनाथ यादव एवं सुनील कुमार सिंह सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पीस कमेटी की बैठक में क्षेत्र के प्रधान, पूर्व प्रधान, प्रधान प्रतिनिधि, बीडीसी सदस्य एवं ग्रामीणों ने भी भाग लिया। इस दौरान प्रधान माधुरी शरण पांडे, पूर्व प्रधान ओम प्रकाश पांडे, प्रधान कादिर खान, प्रधान दाऊद अहमद, प्रधान बबलू, पूर्व प्रधान अमीन खान तथा प्रधान प्रतिनिधि हारून खान मटेरा मंडल अध्यक्ष कुश शुक्ला दिवाकर सिंह आलोक अग्रवाल समेत क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। क्षेत्राधिकारी चित्रांश गौतम ने कहा कि क्षेत्र में आपसी भाईचारा, शांति एवं सौहार्द बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने तथा किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। थाना प्रभारी प्रेमपाल सिंह ने कहा कि पुलिस क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने लोगों से पुलिस का सहयोग करने और आपसी विवादों को बातचीत के माध्यम से शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की अपील की।
बैठक के दौरान ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं एवं सुझाव पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखे। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने का भरोसा दिलाया।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में ओला-उबर और डिलीवरी सेवाओं के लिए नए नियम लागू, अब बिना कारण बताए नहीं कर सकेंगे ड्राइव कैंसिल

उत्तर प्रदेश में कैब और डिलीवरी सेवाओं के लिए नई नियमावली प्रस्तावित की गई है। बिना वैध कारण राइड रद्द करने पर चालक से किराये का दस प्रतिशत काटा जाएगा। यात्रियों के लिए भी रद्दीकरण शुल्क तय होगा। एग्रीगेटर कंपनियों को लाइसेंस लेना होगा और सुरक्षा जमा समेत निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।उत्तर प्रदेश में कैब और डिलीवरी सेवाओं को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार ने नई नियमावली लागू की है। इसके तहत ओला, उबर समेत अन्य ऐप आधारित एग्रीगेटर सेवाओं के संचालन के लिए कई मानक तय किए गए हैं। सरकार ने upmyfleet.com एग्रीगेटर पोर्टल भी शुरू किया है। नई व्यवस्था में यात्रियों की सुरक्षा, ड्राइवरों के कल्याण, वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। इसके अलावा कैब का किराया पारदर्शी रखने और यात्रियों की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के प्रावधान किए गए हैं।सरकार का उद्देश्य ऐप आधारित परिवहन और डिलीवरी सेवाओं में कंपनियों, ड्राइवरों और ग्राहकों के बीच जवाबदेही तय करना है। नई व्यवस्था से बुकिंग के बाद मनमानी, किराए को लेकर विवाद और शिकायतों के निस्तारण में होने वाली देरी पर अंकुश लगाने की उम्मीद है। बिना कारण बताए ड्राइवर नहीं कर सकेंगे ड्राइव कैंसिल- प्रदेश में एप आधारित टैक्सी और डिलीवरी सेवाओं को नियंत्रित करने के लिए परिवहन विभाग ने उत्तर प्रदेश मोटर यान (समूहक और वितरण सेवा प्रदाता) नियमावली, 2026 का प्रस्ताव जारी किया है। प्रस्ताव के मुताबिक, अगर कोई चालक राइड बुक करने के बाद बिना किसी वैध कारण के राइड कैंसिल करता है तो उससे दस फीसदी की कटौती कुल किराये में से की जाएगी। दूसरी तरफ राइड बुक करने वाले यात्री को अगली बुकिंग में कुछ रियायत दी जाएगी। वहीं अगर राइड बुक करने के बाद यात्री उसको रद करता है है तो उससे किराये का दस प्रतिशत या अधिकतर सौ रुपये तक वसूली अगली बुकिंग में की जाएगी। इसी तरह के तमाम प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं। विभाग ने इस पर आम जनता और संबंधित पक्षों से 30 दिनों के भीतर आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। लाइसेंस अनिवार्य, पांच लाख शुल्क- प्रस्तावित नियमावली के मुताबिक, राज्य में संचालित सभी एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म, डिलीवरी सेवा प्रदाता और ई-कॉमर्स से जुड़ी परिवहन सेवाओं को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। इसके लिए कंपनियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ 25 हजार रुपये आवेदन शुल्क और पांच लाख रुपये लाइसेंस शुल्क देना होगा। इसके अलावा वाहनों की संख्या के आधार पर 10 लाख से 50 लाख रुपये तक की सुरक्षा जमा राशि भी जमा करनी पड़ेगी। लाइसेंस की वैधता पांच वर्ष प्रस्तावित है।

राम चरित मानस का निस्वार्थ और निर्विकार भाव से पाठ करने पर बागीश्वरी ने सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / मंजेश स्वर्णकार और कमलेश राठौर को अंग वस्त्र उड़ाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया आज के समय इस तरह के अच्छे कार्य भी लोगो को करना चाहिए प्रदीप गुप्ता पालिका अध्यक्ष संस्था ऐसे नेक कार्य करने वालो का सदैव सम्मान करती है मयंक मोहन गुप्ता कोंच(जालौन)। नगर की सबसे बड़ी साहित्यिक संस्था बागीश्वरी साहित्य परिषद की संत तुलसी दास की जयंती पर एक गोष्ठी हुई

जिसमें मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता मौजूद रहे जब की कार्यक्रम की अध्यक्षता बागीश्वरी साहित्य परिषद कोंच के अध्यक्ष मयंक मोहन गुप्ता ठेकेदार भी मौजूद रहे। संस्था के अध्यक्ष मयंक मोहन गुप्ता ने नगर में निस्वार्थ और निर्विकार भाव से श्री राम चरित मानस पाठ करने वाले मंजेश स्वर्णकार और कमलेश राठौर का माल्यार्पण कर स्वागत किया और फिर दोनों लोगों का अंगवस्त्र उड़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया है ।
इस अवसर पर ओंकार नाथ पाठक एडवोकेट संतोष तिवारी सरल वैदेही शरण लोहकार जोगी राम सहाय सेठ मालिक अरुण बाजपेयी लीस एडवोकेट शिक्षक रुचिर रस्तोगी आनंद शर्मा अखिल प्रमोद कशतवार कृष्ण स्वरूप मुन्ना लोहे वाले बब्बू राजा पटेल नरी मनोहर निरंजन किशुन पुरा कृष्ण कुमार बिलेया लक्ष्मी नारायण पुजारी श्याम बिहारी गुप्ता मनीष नगरिया संदेश राठौर डीके सोनी हर्ष सोनी कन्हैया गोस्वामी परी मिश्रा केलाश मिश्रा उरई भास्कर माणिक सुनील कांत तिवारी राजेश गोस्वामी आसा राम मिश्रा नंदराम भावुक सहित कई लोग मौजूद रहे इस अवसर पर बागीश्वरी साहित्य परिषद के अध्यक्ष मयंक मोहन गुप्ता ने कहा कि अच्छे कार्य करने वालो को संस्था सदैव सम्मानित करती है उन्होंने दोनों लोगों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

डीएम की अचानक दस्तक, कांवड़ शिविर की खुली पोल-पट्टी परखी!

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन की सक्रियता जारी है। शुक्रवार को जिलाधिकारी ने आंवला क्षेत्र के कांवड़ शिविर का अचानक निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कांवड़ियों के ठहरने, पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश और सुरक्षा व्यवस्था को मौके पर परखा। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। व्यवस्था में कमी मिलते ही उसे तत्काल दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने भीड़ बढ़ने की स्थिति में अतिरिक्त इंतजाम और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए। कांवड़ियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता- जिलाधिकारी ने शिविर परिसर में नियमित सफाई, पर्याप्त स्वच्छ पेयजल और रात में पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों को लगातार निगरानी रखने और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बाघ के जबड़े से पिता ने बेटे को बचाया: खेत में घास काटते समय बोला हमला, शोर को हथियार बनाकर भगाया शिकारी

गन्ने के खेत में घास काट रहे बेटे पर अचानक बाघ ने हमला कर दिया। बाघ के हमले से बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।

बेटे की चीख-पुकार सुनकर पिता शिवकरण लाल ने बिना अपनी जान की परवाह किए बाघ का सामना किया।यूपी के लखीमपुर खीरी स्थित बरबर क्षेत्र में गलरई भट्टे के समीप शुक्रवार को गन्ने के खेत में घास काट रहे किसान पर अचानक बाघ ने हमला कर दिया। बाघ के हमले से गांव ककराही निवासी किसान केपी जोशी (22) पुत्र शिवकरण गंभीर रूप से घायल हो गया।

बेटे की चीख-पुकार सुनकर पिता शिवकरण लाल बिना अपनी जान की परवाह किए बाघ का सामना करते हुए शोर मचाने लगे। कई किसानों ने मिलकर मचाया शोर- शोर सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे किसान भी मौके की ओर दौड़ पड़े। कई किसानों के एक साथ शोर मचाने पर बाघ घायल किसान को छोड़कर गन्ने के खेत में भाग गया। बाघ के चंगुल से निकलने के बाद केपी जोशी लड़खड़ाते हुए खेत से बाहर आए और बेहोश हो गए।डॉक्टरों ने शाहजहांपुर किया रेफर- परिजनों ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से घायल किसान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदी पहुंचाया। वहां स्थित नाजुक देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर कर दिया गया है।बाघ के हमले से दहशत में इलाका- घटना की सूचना वन विभाग को दे दी गई है। बाघ के हमले के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मौके पर रेंजर निर्भय प्रताप शाही, डीएफओ साउथ तापस मिहिर पहुंचे। वन रेंजर निर्भय प्रताप शाही ने बताया कि हमला करने वाला वन्यजीव तेंदुआ लग रहा है। कैमरे लगाए गए हैं। कैमरे की नजर में आने पर सही बताया जा सकता है।

श्रमिकों को 5 हजार रुपये मासिक सम्मान निधि दे सरकार : प्रेम कुमार

बिलारी । टोल गेट इब्राहिमपुर में नेशनल एकेडमी फॉर सोशल मूवमेंट एवं नागरिक एकता परिषद की ओर से मजदूर पाठशाला आयोजित कर श्रमिकों को उनके अधिकारों, न्यूनतम मजदूरी, श्रम कानूनों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।
इस दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ भी कराया गया।

ह्यूमन राइट डिफेंडर प्रेम कुमार ने सरकार से श्रमिकों के लिए कम से कम पांच हजार रुपये मासिक 'श्रमिक सम्मान निधि' शुरू करने की मांग की। उन्होंने श्रमिकों के बच्चों को अटल आवासीय विद्यालयों में पारदर्शी प्रक्रिया से प्रवेश देने तथा अपात्र लोगों के श्रमिक कार्ड की जांच कराने की मांग की।
कपिलराज ने कहा कि श्रमिकों को योजनाओं के साथ उनके अधिकारों की जानकारी और योजनाओं का वास्तविक लाभ मिलना जरूरी है। इस अवसर पर नफीस भाई मुर्तजा, सालिम अकील, हाजी अकरम, हारून, बबलू गौतम, फैजान, जगत सिंह, अरशद, रियासत हुसैन और रेहान आदि मौजूद रहे।

पानी की टंकी पर चढ़ी पांच बच्चों की मां, दरोगा पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का लगाया आरोप

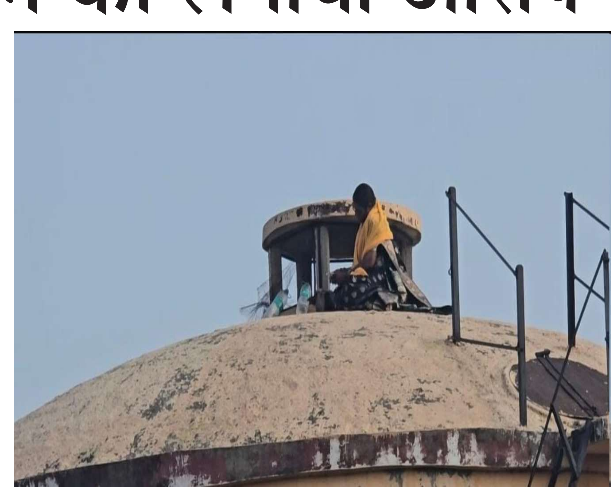

प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक एक महिला डीआरएम ऑफिस के पास पानी की टंकी पर चढ़ गई। यह महिला पांच बच्चों की मां है। इसने सरायममरेज थाने में तैनात एक दरोगा पर शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म करने और बाद में शादी से मुकरने का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे नीचे उतारने में जुटी रही, लेकिन युवती आरोपी दरोगा को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ी रही। सिविल लाइंस में डीआरएम आफिस के पास एक महिला पानी की टंकी पर चढ़ गई है। उसका आरोप है कि सरायममरेज थाने में तैनात एक दरोगा ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। इसके बाद अब वह शादी से मुकर गया है और जान से मारने की धमकी दे रहा है। महिला के पानी की टंकी पर चढ़ने की सूचना पर वहां भीड़ जुट गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने उसे नीचे उतारने का प्रयास किया लेकिन वह आरोपी दरोगा को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ी है। महिला अपनी मांगों को कागज पर लिखकर नीचे फेंक रही है। पांच बच्चों की मां यह महिला मेजा थाना क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। पानी की टंकी पर चढ़ने वाली महिला की शादी जिले के कोरांव इलाके में हुई है। यह महिला पांच बच्चों की मां है। उसके चार बेटे और एक बेटी है। बड़ा बेटा 22 साल का है। महिला पानी की दो बोतलें लेकर टंकी पर चढ़ी है और अपनी मांगों को पर्ची पर लिखकर नीचे फेंक रही है। उसकी मुख्य मांगों में पहली शर्त दरोगा को मौके पर बुलाया जाए, दूसरी मांग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात कराई जाए और तीसरी मांग यह है कि उसके घर की लाइट 2025 से कटी है उसको तत्काल जोड़वाया जाए। पुलिस के मुताबिक महिला ने 2025 में आरोपी दरोगा संजय यादव के खिलाफ मुट्ठीगंज थाने में एफआईआर भी दर्ज कराया है। यह दरोगा इस समय सरायममरेज थाने में तैनात है।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
22 August 2026

विकास योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पहुंचाएं

मा0 सांसद नारायणदास अहिरवार की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मा0 सांसद ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ पात्र एवं जरूरतमंद लोगों तक पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचना चाहिए। उन्होंने

योजनाओं के धरातलीय क्रियान्वयन की नियमित निगरानी पर जोर देते हुए जिला स्तरीय निरीक्षण टीमें गठित करने तथा जनप्रतिनिधियों को योजनाओं की अद्यतन प्रगति से नियमित रूप से अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। किसी भी योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।बैठक में मा0 विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, मा0 विधायक सदर के प्रतिनिधि, मा0 विधायक कालपी के प्रतिनिधि, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, मा0 विधान परिषद सदस्य के प्रतिनिधि, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एच.एन. प्रसाद, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला विकास अधिकारी निशांत पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कारागार का न्यायिक अधिकारियों ने किया निरीक्षण, बंदियों की समस्याएं जानीं

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ उरई। न्यायिक अधिकारीगण द्वारा जिला कारागार उरई का भ्रमण किया गया। उन्होंने विभिन्न बैरकों का निरीक्षण किया और वहां निरुद्ध बंदियों से पूछताछ कर उनकी समस्याओं को जाना-समझा तथा जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर जेल प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती मनाली चन्द्रा ने निर्देशित किया कि जिन बंदियों की जमानत सक्षम न्यायालय से हो चुकी है, किन्तु जमानतगीर न होने के कारण वे रिहा नहीं हो पा रहे हैं, उनकी सूची अविलम्ब जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन के कार्यालय में प्रेषित

की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे बंदियों के संबंध में प्रभावी पैरवी कर उन्हें शीघ्र कारागार से रिहा कराया जा सके। समस्त न्यायिक अधिकारीगण द्वारा जिला कारागार की विभिन्न बैरकों एवं पाकशाला का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर जिला जज प्रथम श्री सतीश चन्द्र द्विवेदी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अभिषेक खरे एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती मनाली चन्द्रा मौजूद रहीं। वहीं कारागार प्रशासन की ओर से कारापाल प्रदीप कुमार एवं जेल चिकित्सक राहुल बर्मन उपस्थित रहे।

सुबह-सुबह अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी, मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड व जच्चा-बच्चा वार्ड का किया निरीक्षण; महिला अस्पताल में अनुपस्थित चिकित्सकों पर कार्रवाई के निर्देश जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज सुबह जिला महिला एवं पुरुष अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में मरीजों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने जिला महिला अस्पताल में ओपीडी, विभिन्न वार्डों, दवा वितरण कक्ष, सीटी स्कैन कक्ष, अल्ट्रासाउंड कक्ष, आयुष्मान वार्ड एवं जच्चा-बच्चा वार्ड सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेडियोलॉजिस्ट डॉ0 अजय खरे, स्त्री रोग विशेषज्ञ वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ0 सुनीता बनोधा, वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ संजीव प्रभाकर, दो प्रियम यादव स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, डॉ0 अंशिका जायसवाल आदि अनुपस्थित मिले, इस पर जिलाधिकारी ने सीएमएस महिला अस्पताल को संबंधित चिकित्सकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल की

व्यवस्थाओं के पर्यवेक्षण में शिथिलता पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सीएमएस महिला अस्पताल से स्पष्टीकरण तलब किया।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने जिला पुरुष अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां सभी चिकित्सक उपस्थित मिले। उन्होंने सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड एवं इंजेक्शन कक्ष सहित विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का जायजा लिया तथा मरीजों से सीधे संवाद कर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। निरीक्षण के दौरान मरीज सत्येंद्र कुमार ने जिलाधिकारी को एक्स-रे न होने की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने तत्काल एक्स-रे कक्ष पहुंचकर मामले की जानकारी ली, जहां चिकित्सक ने बताया कि मरीज का एक्स-रे हो चुका है तथा रिपोर्ट भी तैयार है, जिसे उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने मरीजों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में तत्परता एवं बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।अल्ट्रासाउंड कक्ष में डॉ. सौरभ कुमार द्वारा मरीजों का अल्ट्रासाउंड किया जा रहा था। जिलाधिकारी ने मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति जानी। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या किसी चिकित्सक द्वारा बाहर से दवा खरीदने के लिए कहा गया है

अथवा पर्चे पर ऐसी कोई दवा लिखी गई है। मरीजों ने स्पष्ट किया कि उन्हें आवश्यक दवाइयां जिला अस्पताल से ही उपलब्ध कराई जा रही हैं।जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं चिकित्सकों को निर्देशित किया कि अस्पतालों में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से अपने दायित्वों का पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करने तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं को निरंतर बेहतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

एडीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक क्षेत्राधिकारी यातायात, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय एवं निर्माण खंड, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग, यातायात निरीक्षक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के साइट इंजीनियर, 108 एंबुलेंस प्रभारी सहित स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में सम्पन्न हुई।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों को समन्वित रूप से विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए। विगत जुलाई माह में अधिकांश दुर्घटनाएं ट्रैक्टर-ट्रॉली द्वारा अन्य वाहनों को टक्कर मारने के कारण होने का संज्ञान लेते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली चालकों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। एडीएम ने मार्गों

पर स्पष्ट दृश्यता बनाए रखने के लिए सड़क किनारे उगी झाड़ियों की साफ-सफाई कराने हेतु वन विभाग को निर्देशित किया। उन्होंने गंगा एक्सप्रेस-वे पर पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं का संज्ञान लेते हुए एक्सप्रेस-वे अधिकारियों को सेफ्टी वॉल की मरम्मत कराने के लिए आवश्यक पत्राचार करने के निर्देश दिए ।

बिसौली एवं बिल्सी क्षेत्रों में हुई सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने शहर के प्रमुख चौराहों इंदिरा चौक एवं पुलिस लाइन चौराहे आदि पर धूमिल हो चुकी जेब्रा क्रॉसिंग को ठीक कराने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद में हाईवे की सुरक्षा के लिए गठित समिति द्वारा हाईवे से अवैध अतिक्रमण, ढाबा आदि हटाने तथा मार्गों का सतत निरीक्षण करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही समस्त विद्यालयों में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उनके फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सम्बंधित अधिकारी एवं उद्योगी तथा व्यापारीगण भी मौजूद रहे।

चार माह से राशन नहीं मिलने पर प्रशासन की कार्रवाई, सेल्समैन जेल भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण में लापरवाही बरतने वाले सेल्समैन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर कोलारस अनुविभाग की ग्राम पंचायत दीघोद में चार माह से राशन नहीं मिलने की शिकायत की जांच कराई गई। शिकायत सही पाए जाने पर राशन दुकान के सेल्समैन दिलीप जाटव के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, दीघोद ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने कलेक्टर से शिकायत की थी कि उन्हें पिछले चार महीनों से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन नहीं मिल रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने तहसीलदार एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर जांच के निर्देश दिए।

निर्देश के बाद तहसीलदार सचिन भार्गव और जिला आपूर्ति अधिकारी तुलेश्वर कुर्रे मौके पर पहुंचे।

जांच में ग्रामीणों की शिकायत सही पाई गई। इसके बाद राशन वितरण में लापरवाही और अनियमितता के मामले में संबंधित सेल्समैन दिलीप जाटव के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की गई।

प्रशासन ने राशन दुकान के प्रबंधक हार्दिक गुप्ता को भी मौके पर बुलाया और राशन से वंचित 78 हितग्राही परिवारों को तत्काल राशन वितरण शुरू कराया। कार्रवाई के बाद ग्रामीणों को राहत मिली। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने स्पष्ट किया है कि गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है

कि राशन वितरण से संबंधित किसी भी समस्या या अनियमितता की शिकायत तत्काल जिला प्रशासन के संज्ञान में लाएं, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

नगर पालिका परिषद कोंच की बोर्ड बैठक 29 अगस्त को होगी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। दिनांक 29 अगस्त दिन शनिवार को समय एक बजे दिन में पालिका सभाकक्ष में नगर पालिका परिषद कोंच की दसवीं बोर्ड बैठक का आयोजन किया जा रहा है । इस बोर्ड बैठक के संबंध में जानकारी देती हुई नगर पालिका परिषद कोंच की तेजतर्रार अधिशाषी अधिकारी मोनिका उमराव ने बताया है कि यह दसवीं बोर्ड बैठक है अध्यक्ष महोदय के निर्देशन में आयो जित की जा रही है इस बोर्ड बैठक में वित्तीय वर्ष के बजट की स्वीकृति पर विचार जो एजेंडा में शामिल है और अन्य प्रस्ताव नगर पालिकाध्यक्ष महोदय की अनुमति से बोर्ड में रखे जावेंगे ।उन्होंने इस बोर्ड बैठक को सफल बनाने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

बीमार एवं घायल गोवंश का कराया उपचार, सुरक्षित गौशाला पहुंचाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ बरेली के ब्लॉक बिथरी चैनपुर क्षेत्र के ग्राम भगवतीपुर स्थित ज्वाला देवी मंदिर परिसर में एक बीमार गोवंश बारिश के दौरान खुले में पड़ा था। जंगली जानवरों के हमले से गोवंश घायल भी हो गया था। मामले की सूचना ज्वाला देवी मंदिर के श्री महंत एवं पत्रकार श्री शेर सिंह जी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेना के जिलाध्यक्ष अजय पटेल को दी गई। सूचना मिलते ही अजय पटेल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल बिथरी चैनपुर के खंड विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (ष्ट्ङ्कह्र) एवं पुलिस प्रशासन को अवगत कराया। प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए पशु चिकित्सा टीम के माध्यम से घायल गोवंश का उपचार कराया तथा उसे सुरक्षित स्थान पर गौशाला पहुंचाने की व्यवस्था की। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेना ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया और गोवंश की सेवा एवं सुरक्षा के लिए सभी से आगे आने की अपील की।

ट्रक ने कांवड़ियों के जत्थे को मारी टक्कर, 3 गंभीर घायल ; शिवभक्तों ने बरेली-लखनऊ हाईवे किया जाम

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। सावन माह में हरिद्वार से गोला गोकर्णनाथ जलाभिषेक के लिए पैदल जा रहे कांवड़ियों के जत्थे के साथ बरेली में एक बड़ा हादसा हो गया। फतेहगंज पूर्वी इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक ने कांवड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण हादसे में तीन कांवड़िए गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क पर साथियों को खून से लथपथ देखकर अन्य कांवड़ियों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने ट्रक चालक को पकड़कर बरेली-लखनऊ हाईवे पर जाम लगा दिया। करीब डेढ़ घंटे तक चले इस हंगामे के बाद भारी पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। पीछे से काल बनकर आया तेज रफ्तार ट्रक जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को शाहजहांपुर जिले के मदनापुर से 36 कांवड़ियों का एक जत्था हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर पैदल गोला गोकर्णनाथ जा रहा था। जब यह जत्था बरेली के फतेहगंज पूर्वी इलाके में प्रधान ढाबे के सामने से गुजर रहा था, तभी पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रक ने कांवड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में प्री-पीएच.डी. कोर्सवर्क का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के भाषा संकाय स्थित बहुभाषा उत्कृष्टता

केंद्र में शुक्रवार को हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत और उर्दू विषयों में प्री-पीएच.डी. कोर्सवर्क का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मानविकी विभाग की अध्यक्ष एवं प्री-पीएच.डी. कोर्सवर्क की समन्वयक प्रोफेसर अनिता त्यागी ने नवप्रवेशित शोधार्थियों को शोध प्रक्रिया, नियमों, अकादमिक अनुशासन और शोध के विभिन्न चरणों की जानकारी दी। शोधार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्होंने शोध में मौलिकता, निरंतरता और गंभीरता बनाए रखने पर जोर दिया। कोर्सवर्क के तहत शोध-पद्धति एवं संबंधित विषयों की नियमित कक्षाओं के साथ विभिन्न अकादमिक गतिविधियां संचालित होंगी। कार्यक्रम के साथ ही प्री-पीएच.डी. कोर्सवर्क की नियमित शैक्षणिक गतिविधियों का विधिवत शुभारंभ हो गया।

Is your BMI also raising alarm bells? When should you be alert?

Body Mass Index is a measure that indicates whether a person's weight is normal for their height. If a person weighs 70 kg and is 1.70 meters tall, their BMI would be approximately 24.2. The problem of overweight and obesity is rapidly increasing among people of all ages. Doctors consider excess weight as a breeding ground for diseases. People often think that obesity only distorts the body's shape, but the truth is much more serious. It significantly increases the risk of hormonal problems, immune system issues, and diseases like diabetes, heart disease, and cancer. Do you also use a weighing machine to check your weight? But did you know that doctors don't assess a person's health solely by looking at their weight. For this, they consider the Body Mass Index (BMI). BMI is determined based on a person's weight and height. When BMI exceeds the normal range, it is considered a health risk. Is your BMI also increasing? First, learn about BMI. Body Mass Index is a scale that tells whether your weight is normal according to your body height or not. If a person weighs 70 kg and is 1.70 meters tall, then his BMI will be approximately 24.2. To find out BMI, divide your weight (kilograms) by the square of your height (meters). According to the World Health Organization, people with BMI more than 25 should be careful about their health. Less than 18.5 - underweight. 18.5- 24.9 - normal weight. 25-29.9 - overweight. 30 or more - obesity. What problems does high BMI cause? Doctors say that high BMI often means accumulation of excess fat in the body. This increases extra pressure on the blood vessels and heart. Fat stored around the abdomen releases inflammatory chemicals into the body, increasing the risk of plaque buildup in the arteries, high cholesterol, and high blood pressure. Over time, this condition can lead to serious problems like coronary artery disease, heart attack, and stroke. Similarly, when excess fat accumulates in the body, cells become less sensitive to insulin. This can lead to increased blood sugar levels and the risk of type 2 diabetes. What other problems does a high BMI cause? People with a high BMI are also at increased risk of non-alcoholic fatty liver disease. If left unchecked, it can lead to liver inflammation, fibrosis, and cirrhosis. Several scientific studies have found that obesity is associated with an increased risk of at least 13 types of cancer. Excess body fat causes persistent inflammation and can increase insulin and certain hormone levels, increasing the risk of abnormal cell growth. How can BMI be controlled? Doctors say that a balanced diet, regular exercise, and an active lifestyle are crucial for maintaining a normal BMI. Exercise at least 150 minutes a week. Include whole grains, pulses, fruits, vegetables, and protein-rich foods in your diet. Get adequate sleep and manage stress, as both affect weight. If your BMI continues to rise or is above 25-30, consult a doctor.

Are you bothered by dry eyes and mouth? Is this a sign of an autoimmune disease?

Do you often experience dryness in your eyes, feeling as if something is constantly stinging? This could be a sign of dry eye disease. Some studies have consistently warned that increased screen time has significantly increased the risk of dry eyes. The increased use of mobile phones and laptops has certainly increased the risk of dry eyes, but this is not necessarily the cause of dry eyes. Sometimes, this condition can also be a sign of a serious illness. Medical reports indicate that if dry eyes are accompanied by frequent dryness in the mouth, no relief even after drinking water, difficulty swallowing food, or prolonged fatigue and joint pain, this could be a sign of Sjögren's syndrome, an autoimmune disease. World Sjögren's Day is celebrated every year on July 23rd to raise awareness about this disease. Are you also a victim? The growing risk of Sjogren's syndrome - Medical reports indicate that millions of people worldwide are affected by this condition, and the most worrying thing is that the initial symptoms are so mild that patients remain unaware of the underlying cause for years. This condition is more common in those aged 40-60. Women are at a much higher risk than men. Sjogren's is an autoimmune disease. In this condition, the body's immune system mistakenly attacks its own healthy glands. The lacrimal glands (tear-producing glands) and salivary glands are most affected. This causes dryness in the eyes and mouth. Gradually, it can affect not only the eyes and mouth but also the joints, lungs, kidneys, nerves, and other organs. Doctors say the good news is that early detection and proper treatment can significantly control symptoms and reduce the risk of serious complications. Why does this problem occur? According to a report by the American College of Rheumatology and the Sjogren's Foundation, this condition is approximately 10 times more common in women than in men. Most cases occur between the ages of 40 and 60. It's unclear why Sjogren's syndrome occurs, although experts believe that genetics and environmental factors may contribute to the risk. People with a family history of autoimmune diseases may be at higher risk. How do you know if you're affected? Because Sjogren's syndrome attacks the glands that produce tears and saliva, it can cause dry eyes, burning, or stinging. You may feel as if there's sand in your eyes. Some people may also experience blurred vision, persistent dry mouth, and difficulty swallowing. Need to drink water frequently Early cavities in teeth Chronic fatigue Joint pain and swelling Dryness in skin, nose and throat How can Sjogren's syndrome be prevented? Sjogren's syndrome is an autoimmune disease, so it cannot be completely prevented. However, some things can help in reducing its symptoms and complications. Follow the 20-20-20 rule while using screens. Keep drinking plenty of water. Do not use any eye drops without doctor's advice. Avoid smoking. Sjogren's syndrome is a chronic autoimmune disease. In this, the body's immune system mistakenly starts attacking its own healthy glands. Due to this, there is not enough moisture in the eyes and mouth. Are you also a victim of this?

Don't eat these foods at night, as they could harm your health and sleep.

If you don't want to compromise your health, consider making some adjustments to your diet. Here, we'll tell you what you shouldn't eat at night. Dinner provides rest and nourishment to the body after a busy day. However, consuming the wrong foods at this time can impact not only the digestive system but also sleep, weight, and overall health. Experts believe that dinner should be light, balanced, and easily digestible, so the body doesn't have to work too hard to digest food and can get a good night's sleep. If you want to stay healthy and feel refreshed in the morning, it's important to know which foods to avoid at night and what might be better alternatives. What foods should you avoid at night? 1. Fried foods - Samosas, pakoras, French fries, and other fried foods are high in fat, which takes longer to digest. This can cause gas, indigestion, and acidity. Better alternatives: Light vegetables, lentils, and multigrain bread. 2. Spicy foods: Excessively spicy foods can increase heartburn and acid reflux. This can also affect sleep. Better alternative: Home-cooked meals with less spice. 3. Sweets and sugary foods: Eating too much sweets at night can cause a rapid increase in blood sugar, and the extra calories can contribute to weight gain. Better alternative: If you crave sweets, eat fruits in moderation. 4. Caffeinated beverages: Drinking tea, coffee, or energy drinks at night can cause trouble sleeping. Caffeine can remain active in the body for several hours. Better alternatives: Lukewarm milk or herbal tea (if appropriate for you). 5. Soft drinks and cold drinks: These contain high amounts of sugar and can increase gas. They can affect both digestion and sleep. Better alternatives: Plain water or lemonade (without added sugar). 6. Processed and packaged foods - Chips, instant noodles, processed snacks, and ready-to-eat foods can be high in salt, preservatives, and unhealthy fats. Better choice - Fresh, home-cooked meals. Good dinner habits - Eat dinner on time. Eat dinner 2–3 hours before bedtime. Chew your food thoroughly. Avoid lying down immediately after eating. Drink plenty of water, but don't drink too much just before bed.

Advance bookings for "Jana Nayakan" explode, with crores of rupees and 700,000 tickets sold before release; fans excited

Vijay's film "Jana Nayakan" is already making impressive earnings. Find out what's happening. After much struggle, Vijay's film "Jana Nayakan" is finally set to release in theaters. The film has already created a sensation release. The film is earning a bookings. According to reports, the bookings worth over ?20 crore a day blocked seats. Even after excluding sold tickets worth approximately ?14 for the majority of this. Tamil Nadu with advance bookings of Karnataka follows, earning ?6.03 has seen a strong response. Kerala Bengaluru saw the highest number city charts, with advance bookings of crore), Coimbatore (?9 million), and Kochi, and Thiruvananthapuram Language-wise, the Tamil version crore. The Telugu version's collection version has received limited response been largely driven by 2D formats have contributed Although "Jana Nayakan" is previous films, "Leo" and "GOAT," pick up as the release nears. Fans are because it's believed to be Vijay's last bidding farewell to films and is now

at the box office even before its staggering amount in advance film has already received advance before its release in India, including blocked seats, the film has already crore. The Tamil version accounts remains the film's largest market, approximately ?7.90 crore. crore, especially Bengaluru, which also saw a strong ?1.91 crore. of bookings - Bengaluru leads the ?5.99 crore. Chennai (?1.86 cities like Hyderabad, Madurai, have also reported good figures. dominates, grossing over ?14 is slightly lower, while the Hindi so far. The film's bookings have screenings, while premium significantly less. Fan excitement: currently lagging behind Vijay's trade experts expect bookings to particularly excited about this film film. After a 33-year career, he is playing the role of the Chief Minister of Tamil Nadu. Star cast and release date: Directed by H. Vinoth, the film stars Vijay alongside Pooja Hegde, Bobby Deol, Mamita Baiju, Prakash Raj, Gautham Vasudev Menon, Priyamani, Narain, and Nassar. Originally scheduled for release on January 9th, the film will now hit theaters on July 23rd after being delayed due to various reasons.

Amid the NEET paper leak controversy, the teaser for the web series "The Scam - Leaked" has been released; it will send chills down your spine.

A web series based on the paper leak has been announced. Its teaser was released today, Wednesday, and will send chills down your spine. Students are currently protesting against the NEET paper leak. The protests, spreading to other cities, Janata Party (CJP) marched number of people came to violent. The protests are still has been announced. A series While the medical paper leak have taken to the streets to Leaked" was released today, platform ZEE5. The series' trailer is captioned, "One paper. shocked." How was the paper papers being leaked from a being printed in a factory. this was accomplished is shown. the NEET paper has been leak, expressions of despair and question arises: how did the

which began in the national capital, Delhi, are now including Mumbai. Recently, the Cockroach from Jantar Mantar to Parliament, where a large support the students. The protests also turned ongoing. Meanwhile, a series on the same topic based on the paper leak will premiere on ZEE5. issue is raging across the country, and students protest, the teaser for the web series "The Scam - Wednesday. The series will premiere on the OTT theme is related to the medical paper leak. The Millions of dreams. One leak. The nation is leaked? - Zee5 has released a teaser. It shows warehouse just before the exam. Exam papers are Meanwhile, the paper is leaked. A glimpse of how This is immediately followed by a news report that leaked. A heartbreaking scene: After the paper anger are visible on the faces of students. The paper get leaked? Meanwhile, a heartbreaking scene is shown. The teaser concludes with a classroom scene. A call comes in on a mobile phone. "Papa" flashes on the screen. A father calls his child, but the call goes unanswered. The next scene shows a student hanging from a noose.

Why did Sunidhi Chauhan leave reality shows? The singer has made accusations and revealed the key reason.

Sunidhi Chauhan has judged reality shows along with singing. However, she has now given up judging reality shows. Now, she has explained the reason. Sunidhi Chauhan is one of Bollywood's most popular singers. In addition to singing, she has also judged several singing reality shows. Her fans want to know why she has stopped judging shows. The singer has spoken about this. Reality shows are not for Sunidhi. Sunidhi Chauhan, speaking on the Shekhar Tonight Show about leaving reality shows,

said, "I was a part of it for a very long time. But then I left it because I felt it was not my place." Sunidhi expressed her objection, saying, "It's very sad. In the past, auto-tune or melodyne were used in songs for a special effect. But you can't do that on a reality show, where you need to be completely authentic and honest." I felt that it was going somewhere else, which I cannot be a part of.' People gave respect to Sunidhi - The conversation also moved towards the challenges that singers sometimes face during live performances. Shekhar mentioned incidents related to artists like KK and Sonu Nigam and asked Sunidhi if she had ever faced any insulting or uncomfortable behavior on stage. To this, Sunidhi said, 'I am very lucky because till date I have not been treated like that. People have given me a lot of love... not just love, but respect as well.'